Title: Terrorist activities in Jharkhand.

श्री फुरकान अंसारी (गोड्डा) : महोदय, झारखंड राज्य की स्थिति बहुत भयावह एवं दयनीय है। उग्रवादियों का तांडव जारी है। अब तक लगभग 300 आरक्षी-कर्मी एवं लगभग 50 आरक्षी-अधीक्षक मौत के घाट उतारे जा चुके हैं। साथ ही उनके हथियार भी लूटे जा चुके हैं। लगभग 16 जिलों में शाम 6 बजे के बाद आवागमन बंद हो जाता है। पूरे राज्य में रात में उग्रवादियों का शासन चलता है। पूरे झारखंड राज्य की स्थिति अत्यन्त भयावह एवं विस्फोटक है। झारखंड में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गयी है। उग्रवाद का विस्तार 5 जिलों से बढ़कर 16 जिलों तक हो गया है। स्थिति यह है कि भय से पूरे राज्य से आदिवासी एवं मजदूरों का पलायन हो रहा है। यहां माफियाओं एवं उग्रवाद का बोल-बाला है। राज्य की इतनी भयावह स्थिति के बावजूद भी झारखंड सरकार मूक-दर्शक बनी हुई है। ऐसी सरकार का बना रहना झारखंड राज्य के हित में नहीं है। अतः मैं केन्द्र सरकार से पुरजोर मांग करता हूं कि पूरी स्थिति का जायजा लेते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए झारखंड सरकार को अविलम्ब बर्खास्त कर राट्रपति शासन लागू किया जाए।

MR. SPEAKER: You are making the demand at the very drop of hat.